SJIF 2016 : 4.44
ISSN: 2348-3083
UGC APPROVED SR. NO. 48612
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL FOR
HUMANITY SCIENCE & ENGLISH LANGUAGE
SRJIS

माध्यमिक स्तर की छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का अध्ययन

lUnhi dqekj Jhokl[1] & v#.k dqekj[2], Ph. D.

[1] "ाोध छात्र, f"k्षा विभाग, लखनऊ वि"वविद्यालय, लखनऊ (उ0प्र0)

[2] एसोसिएट प्रोफेसर, f"k्षा विभाग, लखनऊ वि"वविद्यालय, लखनऊ (उ0प्र0)

Abstract

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण तथा पारिवारिक पर्यावरण के आयाम का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में न्याद"f के रूप में उत्तर प्रदे"ा के जनपद जालौन की कालपी तहसील की 250 छात्राओं को सम्मिलित किया गया है। छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण ज्ञात करने हेतु डॉ0 अरूण कुमार एवं सन्दीप कुमार श्रीवास (2016) पारिवारिक पर्यावरण मापनी (FES) प्रमापीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है तथा प्राप्तांकों का वि"लेषण प्रति"ात की मदद से किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि पारिवारिक पर्यावरण के अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न पर क्रम"ा: 1.60%, 28%, 34.80%, 34.00% तथा 2.00% है, जो उनके समुचित विकास हेतु उपयुक्त नहीं है।

***संकेत "ाब्द** %& पारिवारिक पर्यावरण तथा पारिवारिक पर्यावरण के आयाम।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

iLrkouk %&

बालक की f"k्षा जन्म होने के बाद से ही प्रारम्भ हो जाती है। घर अथवा परिवार मानव समाज के विकास की प्राचीनतम् आधारभूत इकाई का एक ऐसा समूह है जिसमें कई व्यक्ति एक साथ रहते है तथा सब एक दूसरे से माता–पिता, भाई–बहिन अथवा किसी अन्य सम्बंध से सम्बन्धित होते है, और इनके रहन–सहन, विचार, आचरण, संस्कृति आदि से परिवार बनता है, जो कि पारिवारिक पर्यावरण का एक हिस्सा है। परिवार में माता–पिता इस प्रकार का पर्यावरण बनाते है तथा बनायें रखते हैं जो उनके बालकों के विकास में सहायक हो तथा उनके बालकों का सर्वांगीण व संतुलित विकास कर सके। विद्यालय में प्रवेश के पूर्व बालकों को परिवार की छत्र–छाया में ही शिक्षा प्राप्त होती है, इस प्रकार परिवार अनियंत्रित अथवा सक्रिय शिक्षा का साधन है, जिसके महत्व को स्वीकार करते हुए iLVkykWth (सुलेखा, 2000 से उद्धृत) का कथन है *–''कुटुम्ब शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ स्थान है*

एवं बालक का प्रधान विद्यालय है।'' अतः जन्म से ही प्रत्येक बालक को एक पारिवारिक परिवे"ा प्राप्त होता है, यही से उसकी ि"ाक्षा की शुरूआत होती है, इसलिये परिवार को बालक की प्रथम पाठ"ााला कहा जाता है और पारिवारिक वातावरण को बालक के सर्वांगीण विकास की आधारि"ाला। बालक परिवार के व्यवहार, आचार–विचार, नैतिकता, आदि अपने परिवार की मान्यताओं के अनुसार निर्मित एवं विकसित करता है। ि"ाक्षा का उद्दे"य बालक का सर्वांगीण विकास करना हैं, परन्तु इसमें पारिवारिक वातावरण की भूमिका मुख्य है।

ikfjokfjd i;kZoj.k %&

पारिवारिक पर्यावरण से तात्पर्य अन्र्तवैयक्तिक संबंध, बालक के व्यक्तिगत विकास और परिवार की व्यवस्था से है जिसके अन्तर्गत एक दूसरे के प्रति व्यवहार, अभिवृति, भावनाओं का सम्मान, सं"ाक्ति, अभिव्यंजकता, द्वन्द, ध्यान देना, स्वीकृति, प्रेम, विश्वास, आपसी तालमेल आता है और बालक के व्यक्तिगत विकास के लिए उनको स्वतंत्रता प्रदान करना, बालक/बालिका द्वारा उपलब्धि अभिविन्यास के लिए प्रयत्न करना, सांस्कृतिक ,नैतिक–धार्मिक पहलू पर जोर देना, सामाजिक और मनोरंजक गतिविधियों में साथ देना, पारिवारिक नियंत्रण एवं परिवार की व्यवस्था बनाये रखना इत्यादि आता है।

ikfjokfjd i;kZoj.k ls lEcfU/kr **भाोध साहित्य** %&

Barber (1996) ने अभिभावकों के द्वन्द्व, पारिवारिक द्वन्द्व को कि"ाोरों की आंतरिक समस्याओं के साथ जोड़ा और ये भी बताया कि कि"ाोरों के बाहरी व्यवहार से द्वन्द्व संबधं रखता है। *Dwairy,M (2004)* ने अपने अध्ययन में पाया जिन परिवार का पारिवारिक वातावरण अच्छा होता है, वहॉ अभिभावक बच्चों के संबधं मधुर होते है। *Halberstadt and Eaton (2002)* ने सकारात्मक पारिवारिक अभिव्यंजकता का कि"ाोरों के साथ सकारात्मक संबधं पाया। *Burt Mcgue, Iacono & Krueger (2006)* ने बताया कि नकारात्मक पारिवारिक संबधं, आंतरिक द्वन्द्व, अभिभावक तथा कि"ाोरों के मध्य द्वन्द्व कि"ाोरों कर समस्या को बढाते है। Clark & Phares (2004) ने बच्चों में आने वाले तनाव का पारिवारिक संबधं तथा पारिवारिक अभिव्यजंकता के साथ सकारात्मक संबधं बनाया। *Dwairy,M (2004)* ने अपने अध्ययन में पाया जिन परिवार का पारिवारिक

वातावरण अच्छा होता है, वहॉ परिवार बच्चों को स्वातंत्रता होती है, परवरिस की शैली अच्छी होती है तथा अध्ययन में पाया जिन परिवार का पारिवारिक वातावरण अच्छा होता है, वहॉ परिवार मे अनु"ाासन तथा नियम लचीले होते है व परवरि"ा की शैली अच्छी होती है। ***Shelton & Harald (2008)*** ने बताया कि जो कि"ाोर द्वन्द्व से भरे होते है, उनका समायोजन अत्यधिक कठिन होता है। सिंह, लाल एवं *मंगल, अ"ु (2016)* ने भी अपनी पुस्तक में बच्चों की सफलता एवं असफलता के लिए पारिवारिक पर्यावरण को एक मुख्य कारण माना है। *सिन्हा, वसुंधा (2014)* ने बताया कि परिवार के वातावरण के साथ–साथ बच्चों की लालन–पालन विधि एवं अभिभावक तथा बच्चों के मध्य सम्बन्ध का बच्चों उपलब्धियों पर पड़ता है। ***Borah, Santosh*** *(2013)* ने बताया कि छात्र के जीवन में पारिवारिक वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है विद्यार्थी के विद्यालयी उपलब्धि पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उपरोक्त शोध साहित्य के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों कहा जा सकता है कि विद्यार्थी के विकास हेतु अच्छे पारिवारिक पर्यावरण की महत्वपूर्ण भूमिका है ताकि विद्यार्थी का विकास हो सके और वे बेहतर जीवन की ओर अग्रसर हो सके। प्रस्तुत अध्ययन में छात्राओं को बेहतर जीवन की ओर अग्रसर करने हेतु उनकी पारिवारिक पर्यावरण की स्थिति ज्ञात की गयी है।

भाोध प्र'u %&

1. माध्यमिक स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण की स्थिति क्या है?
2. माध्यमिक स्तर में पढ़ने वाले वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले विभिन्न आयामों की स्थिति क्या है?

v/;;u d mís'; %&

1. माध्यमिक स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का विभिन्न स्तरों पर अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले आयामों की विभिन्न स्तरों पर स्थिति का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले उपआयामों की विभिन्न स्तरों पर स्थिति का अध्ययन करना।

ifjlheklu %&

प्रस्तुत शोध अध्ययन केवल उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन की कालपी तहसील तक सीमित है। तथा इस शोध अध्ययन में केवल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त कक्षा 9 व 10 के छात्राओं को ही सम्मिलित किया गया है।

'kks/k fof/k %&

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

lef"V %&

उत्तर प्रदे"ा के जनपद जालौन के माध्यमिक स्तर की समस्त छात्रायें इस अध्ययन की समष्टि है।

izfrn'kZ ,oa izfrn'kZ p;u fof/k %&

इस अध्ययन हेतु 250 माध्यमिक स्तर की छात्राओं का चयन प्रतिद"र्ा के रूप में किया गया है।` प्रतिद"र्ा चयन हेतु शोधकर्त्ता द्वारा उत्तर प्रदे"ा के जनपद जालौन की कुल 5 तहसीलों (उरई, कालपी, जालौन, कोंच व माधौगढ) में से साधारण यादृच्छीकृत प्रतिद"र्ान विधि का प्रयोग करने पर एक तहसील कालपी का चयन हुआ, कालपी तहसील में संचालित कुल 32 सहि"ाक्षा संचालित माध्यमिक विद्यालयों मे से पुनः साधारण यादृ च्छीकृत प्रतिद"र्ान विधि का प्रयोग कर 14 माध्यमिक विद्यालयों चयन किया गया है। तत्प"चात् इन चयनित 14 माध्यमिक विद्यालयों साधारण याच्छीकृत प्रतिद"र्ान विधि का प्रयोग कर कक्षा 9 तथा 10 की कुल 2082 छात्राओं में से 250 छात्राओं का चयन प्रतिद"र्ा के रूप में किया गया है।

'kks/k midj.k %&

पारिवारिक पर्यावरण को जानने के लिए डॉ0 अरूण कुमार एवं सन्दीप कुमार श्रीवास (2016) द्वारा निर्मित "पारिवारिक पर्यावरण मापनी (FES) का उपयोग किया गया है। इस मापनी में पारिवारिक पर्यावरण के मापन के हेतु 3 आयामों को सम्मिलित किया गया है जोकि इस प्रकार है– 1- vUrjoS;fDrd lEcU/k – इसके अन्तर्गत 5 उपआयामों (सं"ाक्ति, अभिव्यंजकता, द्वन्द, ध्यान देना व स्वीकृति) को सम्मिलित किया गया है। 2- O;fDrxr vfHkofn) & इसके अन्तर्गत 4 उपआयामों (स्वतंत्रता, उपलब्धि अभिविन्यास, सांस्कृतिक ,नैतिक–धार्मिक पहलू, सक्रिय मनोरंजन अभिविन्यास) को सम्मिलित किया गया

है। 3- 0;oLFkk j[k&j[kko & इसके अन्तर्गत 2 उपआयामों (नियंत्रण, व्यवस्था) को सम्मिलित किया गया है।

lkf[;dh; rduhd %&

उपकरण से प्राप्त प्राप्तांकों को विभिन्न तालिकाओं में व्यवस्थित कर उनका विश्लेषण प्रति"ातता की गणना कर किया गया है तथा दण्डआरेख के द्वारा आँकड़ों की प्रति"ातता को प्रद"िंत किया गया है।

inRrks dk fo'ys"k.k ,oa ifj.kkeksa dh 0;k[;k %&

उपकरणों द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण कर परिणामों की व्याख्या उद्दे"यों के क्रम में निम्नलिखित है–

foश्लेशण & 1 %& उद्दे"य संख्या-1 ßमाध्यमिक स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का विभिन्न स्तरों पर अध्ययन करना]ß के अन्तर्गत छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का वि"लेषण विभिन्न स्तरों पर ifr"kr के रूप में तालिका संख्या –1 में प्रद"िंत किया गया है–

rkfydk l[;k & 1 ikfjokfjd i;kZoj.k ekiuh dk fofHkUu Lrjksa ij Nk=kvksa dh ifr'kr rk ¼%½

ikfjokfjd i;kZoj.k	vR;f/kd mPp Lrj	mPp Lrj	vkSlr Lrj	fuEu Lrj	vR;f/kd fuEu Lrj	;ksx
%	1.6%	27.6%	34.80%	34.00%	2.00%	100%
(N= 250)	4	69	87	85	5	250

inRrksa dk fo'ys"k.k %& उपरोक्त तालिका संख्या–1 में पर्यावरण पर्यावरण मापनी द्वारा प्राप्त 250 छात्राओं के प्रदत्तों का अध्ययन प्रति"ात द्वारा कर उनका वि"लेषण प्रदर्शित किया गया है। पारिवारिक पर्यावरण मापनी पर प्राप्त 250 छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण के अत्यधिक उच्च से अत्यधिक निम्न के पाँच स्तर पर क्रम"ाः 1.60%, 28%, 34.80%, 34.00% तथा 2.00% छात्रायें है।

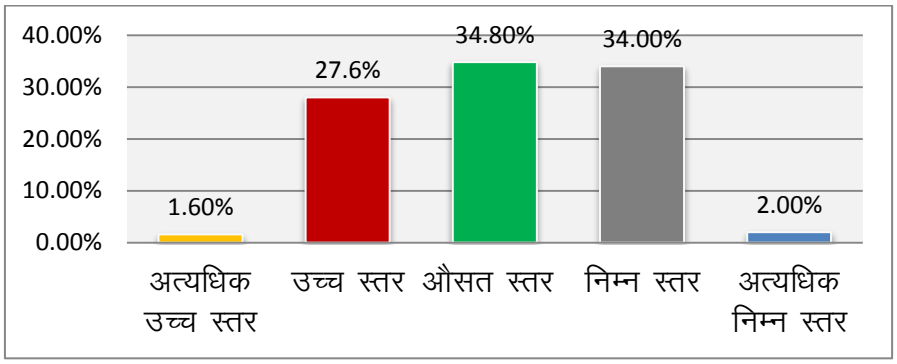

n.Mvkj[k l[;k & 1 ikfjokfjd i;kZoj.k ekiuh ij Nk=kvksa dk fofHkUu Lrjksa ij n.Mvkj[k

ifj.kke dh 0;k[;k ,oa foospuk %& उपरोक्त वि”लेषण यह इंगित करता है कि न्यादर्श में चयनित कुल 250 माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं में से 29.2% (73) छात्राओं का पारिवारिक पर्यावरण का स्तर औसत से उच्च, 34.8% (87) छात्राओं स्तर का औसत तथा 36% (90) छात्राओं स्तर का औसत से निम्न है। परिणामों में माध्यमिक विद्यालय की 250 छात्राओं में मात्र 29.2% छात्राओं का ही पारिवारिक पर्यावरण का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का स्तर औसत व औसत से निम्न है। अर्थात् जिन छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का स्तर औसत से अधिक अच्छा है, इसका मुख्य कारण उनके प्रति पारिवार की भूमिका का सकारात्मक होना है और जिन छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण का स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसका मुख्य कारण उनके लिये पारिवार का योगदान सकारात्मक नही है, इसके लिये परिवार की परिस्थितियाँ जिम्मेदार है।

fo्लेशण & 2 %& उद्दे”य संख्या-2 ßमाध्यमिक स्तर स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले आयामों की विभिन्न स्तरों पर स्थिति का अध्ययन करना,ß के अन्तर्गत छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले आयामों का वि”लेषण विभिन्न स्तरों पर ifr'kr के रूप में तालिका संख्या –2 में प्रदर्”ात किया गया है–

rkfydk l[;k & 2 ikfjokfjd i;koj.k ekiuh d vk;kek d fofHkUu Lrjk ij Nk=kvk dh ifr'krrk ¼%½

vk;ke (N=250)	vR;f/kd mPp Lrj	mPp Lrj	vkSlr Lrj	fuEu Lrj	vR;f/kd fuEu Lrj
अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध (Interpersonal Relationship)	0%	21.6%	48.8%	28.8%	0.8%
व्यक्तिगत अभिवृद्धि (personal Growth)	0%	16%	57.6%	26%	0.4%
व्यवस्था का रख–रखाव (System Maintenance)	1.6%	21.6%	54.8%	20.8%	1.2%

inRrk dk fo'ys"k.k %& उपरोक्त तालिका संख्या – 2 में पर्यावरण पर्यावरण मापनी के आयामों पर प्राप्त 250 छात्रों के प्रदत्तों का अध्ययन प्रति”ात द्वारा कर उनका वि”लेषण प्रदर्शित किया गया है। पारिवारिक पर्यावरण मापनी के आयामों पर छात्राओं का स्तर उच्च से निम्न क्रम”ाः अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध पर 0%, 21.6%, 48.8%, 28.8%, 0.8% है, व्यक्तिगत अभिवृद्धि पर 0%, 16%, 57.6%, 26%, 0.4% है तथा व्यवस्था का रख–रखाव पर 1.6%, 21.6%, 54.8%, 20.8%, 1.2% है।

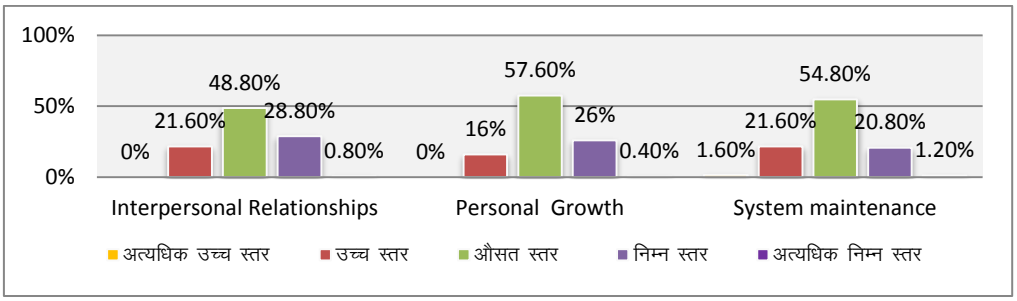

n.Mvkjs[k l[;k & 2 ikfjokfjd i;koj.k ekiuh d vk;kek ij Nk=kvk d fofHkUu Lrjk ij n.Mvkjs[k

ifj.kke dh O;k[;k ,o foospuk %& उपरोक्त वि”लेषण यह इंगित करता है कि न्यादर्श में चयनित कुल 250 माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं में से 21.6% छात्राओं का अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध का स्तर औसत से उच्च, 48.8% छात्राओं का स्तर औसत तथा 29.6% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 16% छात्राओं का व्यक्तिगत अभिवृद्धि का स्तर औसत से उच्च, 57.6% छात्राओं का स्तर औसत तथा 26.4% छात्राओं का स्तर

औसत से निम्न है। 23.2% छात्राओं का व्यवस्थाका रख–रखाव का स्तर औसत से उच्च, 54.8% छात्राओं का स्तर औसत तथा 22% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। परिणामों में माध्यमिक विद्यालय की 250 छात्राओं में से 21.6% छात्राओं के पारिवारों का ही अंतर्वैयक्तिक सम्बन्ध का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का अंतर्वैयक्तिक सम्बन्ध स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में सं”ाक्ति, अभिव्यंजकता, द्वन्द, देखभाल व स्वीकृति का स्तर इत्यादि रहे है। परिणामों में 16% छात्राओं की व्यक्तिगत अभिवृद्धि का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं की व्यक्तिगत अभिवृद्धि स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं परिवार में स्वतंत्रता, उपलब्धि अभिविन्यास, सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू व सक्रिय मनोरंजन अभिविन्यास के स्तरों की स्थिति इत्यादि रही है। व्यवस्था का रखरखाव के स्तरों पर 23.2% छात्राओं के पारिवारों का ही व्यवस्था का रखरखाव का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का व्यवस्था का रखरखाव का स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में नियंत्रण व व्यवस्था के स्तरों की स्थिति इत्यादि रही है।

fo’लेशण & 3 ¼& उद्दे”य संख्या-3 ßमाध्यमिक स्तर स्तर में पढ़ने वाली छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले उपआयामों का अध्ययन करना,ß की विभिन्न स्तरों पर स्थिति का अध्ययन करना,ß के अन्तर्गत छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण को निर्धारित करने वाले उपआयामों का वि”लेषण विभिन्न स्तरों पर iLrqr के रूप में तालिका संख्या –3 में प्रदर्”ित किया गया है–

rkfydk l[;k & 3 ikfjokfjd i;kZoj.k ekiuh ds mivk;keksa ds fofHkUu Lrjksa ij Nk=kvksa dh iLrqrrk

mivk;ke (N=250)	vR;f/kd mPp Lrj	mPp Lrj	vkSlr Lrj	fuEu Lrj	vR;f/kd fuEu Lrj
सं”ाक्ति (Cohesion)	0%	28.8%	43.6%	26%	1.6%
अभिव्यंजकता (Expressiveness)	2%	13.2%	58.8%	23.6%	2.4%
द्वन्द (Conflict)	2%	26.4%	41.2%	28%	2.4%
देखभाल (Caring)	0%	27.2%	47.6%	20.4%	4.8%

स्वीकृति (Acceptance)	0%	21.2%	38.8%	38.4%	1.6%
स्वतंत्रता (Independence)	1.6%	20.4%	49.2%	26%	2.8%
उपलब्धि अभिविन्यास (Achievement orientation)	10.4%	13.6%	54.4%	19.6%	2%
सांस्कृतिक ,नैतिक–धार्मिक पहलू (Cultural, Moral and Religious aspects)	0.8%	28.4%	42%	24.8%	4%
सक्रिय मनोरंजन अभिविन्यास (Active Recreational Orientation)	0%	20.8%	50.8%	26.8%	1.6%
नियंत्रण (Control)	3.6%	22.4%	47.2%	24.4%	2.4%
व्यावस्था (Organization)	1.6%	24.8%	45.2%	24%	4.4%

inRrk dk fo'y"k.k %& उपरोक्त तालिका संख्या–3 में पर्यावरण पर्यावरण मापनी के उपआयामों पर प्राप्त 250 छात्राओं के प्रदत्तों का अध्ययन प्रति"ात द्वारा कर उनका वि"लेषण प्रदर्शित किया गया है। पारिवारिक पर्यावरण मापनी के उपआयामों पर छात्राओं का स्तर उच्च से निम्न क्रम"ाः सं"ाक्ति पर 0%, 28.8%, 43.6%, 26%, 1.6% है, अभिव्यंजकता पर 2%, 13.2%, 58.8%, 23.6%, 2.4% है, द्वन्द पर 2%, 26.4%, 41.2%, 28%, 2.4% है, देखभाल पर 0%, 27.2%, 47.6%, 20.4%, 4.8% है, स्वीकृति पर 0%, 21.2, 38.8%, 38.4%, 1.6% है, स्वतंत्रता पर 1.6%, 20.4%, 49.2%, 26%, 2.8% है, उपलब्धि अभिविन्यास पर 10.4%, 13.6%, 54.4%, 19.6%, 2% है, सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू पर 0.8%, 28.4%, 42%, 24.8%, 4% है, सक्रिय मनोरंजन अभिविन्यास पर 0%, 20.8%, 50.8%, 26.8%, 1.6% है, नियंत्रण पर 3.6%, 22.4%, 47.2%, 24.4%, 2.4% है तथा व्यवस्था पर 1.6%, 24.8%, 45.2%, 24%, 4.4% है।

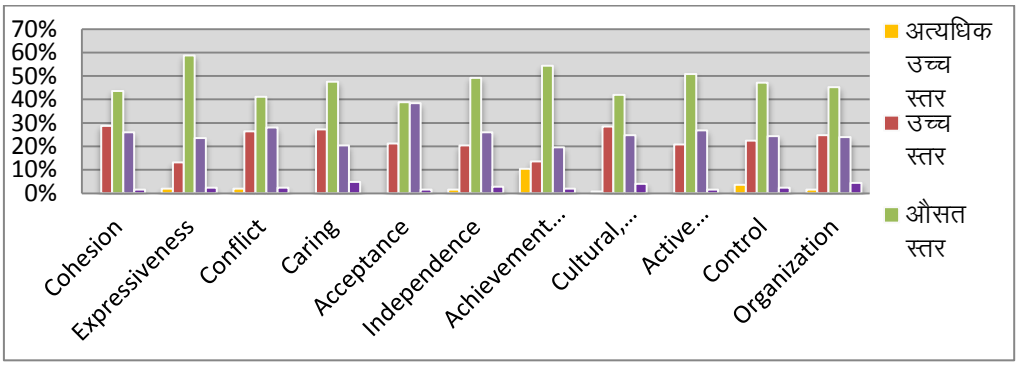

n.Mvkj[k l[;k & 3 ikfjokfjd i;koj.k ekiuh d mivk;kek ij Nk=kvk d Lrj dk n.Mvkj[k

ifj.kke dh 0;k[;k %& पारिवारिक पर्यावरण के उप आयामों पर 250 माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं में से 28.8% छात्राओं का सं”ाक्ति का स्तर औसत से उच्च, 43.6% छात्राओं का स्तर औसत तथा 27.6% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 15.2% छात्राओं का अभिव्यंजकता का स्तर औसत से उच्च, 58.8% छात्राओं का स्तर औसत तथा 26% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 28.4% छात्राओं का द्वन्द का स्तर औसत से उच्च, 41.2% छात्राओं का स्तर औसत तथा 30.4% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 27.2% छात्राओं का देखभाल का स्तर औसत से उच्च, 47.6% छात्रों का स्तर औसत तथा 25.2% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 21.2% छात्राओं का स्वीकृति का स्तर औसत से उच्च, 47.6% छात्राओं का स्तर औसत तथा 40% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 22% छात्राओं का स्वतंत्रता का स्तर औसत से उच्च, 49.2% छात्राओं का स्तर औसत तथा 28.8% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 24% छात्राओं का उपलब्धि अभिविन्यास का स्तर औसत से उच्च, 54.4% छात्राओं का स्तर औसत तथा 21.6% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 29.2% छात्राओं का सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू का स्तर औसत से उच्च, 42% छात्राओं का स्तर औसत तथा 28.8% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 20.8% छात्राओं का सक्रिय मनोरंजन अभिविन्यास का स्तर औसत से उच्च, 58.8% छात्राओं का स्तर औसत तथा 28.4% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 26% छात्राओं का नियंत्रण का स्तर औसत से उच्च,

47.2% छात्राओं का स्तर औसत तथा 26.8% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है। 26.4% छात्राओं का व्यवस्था का स्तर औसत से उच्च, 45.2% छात्राओं का स्तर औसत तथा 28.4% छात्राओं का स्तर औसत से निम्न है।

ifj.kke dh foopuk %& उपरोक्त परिणाम इंगित करते है कि 250 माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं में से 28.8% छात्राओं का सं"ाक्ति का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का सं"ाक्ति स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में एक दूसरे की कमियों में सुधार, एक दूसरे को सहयोग प्रदान करना व प्रत्येक अवसर व परिस्थितियों में सदस्यों का एक साथ रहना अथवा जुडे रहना का स्तर इत्यादि रहे है। 15.2% छात्राओं का अभिव्यंजकता का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं का अभिव्यंजकता स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में सदस्यों का सभी प्रकार की बातें एक दूसरें से खुलकर करना, एक दूसरे के नकारात्मक और सकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करना व एक दूसरे से सुख–दुख सॉझा करने का स्तर इत्यादि रहे है। 28.4% छात्राओं का द्वन्द का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्रों के पारिवारों का द्वन्द स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में एक दूसरे का सम्मान का सम्मान करना, आपस में द्वेष न करना, एक दूसरे पर वि"वास करना व विचारों में एक मत होने का स्तर इत्यादि रहे है। 27.2% छात्राओं का देखभाल का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का देखभाल स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में सदस्यो एक दूसरे की गतिविधियों व आव"यकताओं, का ध्यान रखना, एक दूसरे के प्रति चिन्तित रहने का स्तर इत्यादि रहे है। 21.2% छात्राओं का स्वीकृति का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का स्वीकृति स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में विचारों, इच्छाओं व निर्णयों को स्वीकार करना व उनके व्यवहार पर आपत्ति करने का स्तर इत्यादि रहे है। 22% छात्राओं का स्वतंत्रता का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का स्वतंत्रता का स्तर औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में निर्धारण, कार्यों, निर्णयों, एवं चयन में स्वतंत्रता व बाधा न बनने का

स्तर इत्यादि रहे है। 24% छात्राओं का उपलब्धि अभिविन्यास का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का उपलब्धि अभिविन्यास औसत व औसत से निम्न है, इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में असफलता/सफलता के कारणों को जानने का प्रयास, नयी जानकारी के लिए हमे"ाा तैयार रहना, सफलता प्राप्त करने का यथासंभव प्रयास करने का स्तर इत्यादि रहे है। 29.2% छात्राओं का सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू का स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में कला, संगीत, साहित्य, गायन, वादन इत्यादि के लिए प्रोत्साहित किया जाना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करना, धार्मिक प्रार्थना में सम्मिलित होना, सद्व्यावहार करना, विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का स्तर इत्यादि रहे है। 20.8% छात्राओं का सक्रिय मनोरंजन का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का सक्रिय मनोरंजन का स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं का खेलो में भाग लेना, आस–पड़ोस व सगे संबधिंयो से मिलना, मनोरंजन के साधनो का भरपूर आनंद लेना, सामाजिक कार्यो को सम्पन्न करना, दूसरों की मदद के लिये तैयार रहना, कहानी, चुटकले, गाने, हसी मजाक आदि की बातों में सक्रिय भूमिका अदा करने का स्तर इत्यादि रहे है। 26% छात्राओं का नियंत्रण का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का नियंत्रण का स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में व्यर्थ वर्तालाप, कार्यों को करने के लिए आपत्ति करना, प्रत्येक कार्यों का नि"िचत समय होना, क्रिया कलापों पर दृष्टि रखने का स्तर इत्यादि रहे है। 26.4% छात्राओं का व्यवस्था का स्तर औसत से अधिक अच्छा है व अन्य छात्राओं के पारिवारों का व्यवस्था का स्तर औसत व औसत से निम्न है। इसके मुख्य कारण छात्राओं के पारिवारों में योजना बनाकर काम करना, कार्यों का व्यवस्थित ढंग से करना, कर्तव्यों का निर्धारण किये जाने का स्तर इत्यादि रहे है।

निश्कश %&

माध्यमिक स्तर के छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण अध्ययन करने पर पाया गया कि 36% छात्राओं के पारिवार का पारिवारिक पर्यावरण उनके समुचित विकास हेतु उपयुक्त नहीं है। छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण के अत्यधिक उच्च स्तर व अत्यधिक

निम्न स्तर को निर्धारित में तीनों आयामों का योगदान लगभग समान है तथा छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण के उच्च स्तर, औसत स्तर व को निर्धारित में तीनों आयामों का योगदान भी लगभग समान है। छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण के उच्च स्तर को निर्धारित करने वाले आयामों में व्यवस्था का रख–रखाव आयाम का योगदान अन्य दो आयामों (व्यक्तिगत अभिवृद्धि और अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध) से अधिक है, औसत स्तर को निर्धारित करने में व्यक्तिगत अभिवृद्धि आयाम का योगदान अन्य दो आयामों (अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध और व्यवस्था रख–रखाव) से अधिक है। जबकि निम्न स्तर को निर्धारित करने में अंर्तवैयक्तिक सम्बन्ध का योगदान अन्य दो आयामों (व्यक्तिगत अभिवृद्धि और व्यवस्था रख–रखाव आयाम) से अधिक है। छात्राओं के पारिवारिक पर्यावरण के अत्यधिक उच्च स्तर को निर्धारित करने वाले उपआयामों में उपलब्धि अभिविन्यास व नियंत्रण का योगदान अन्य उपआयामों से अधिक है, तथा उच्च स्तर को निर्धारित करने में सं"ाक्ति, सांस्कृतिक नैतिक–धार्मिक पहलू व देखभाल का योगदान अन्य उपआयामों से अधिक है, औसत स्तर को निर्धारित करने में अभिव्यंजकता व उपलब्धि अभिविन्यास योगदान अन्य उपआयामों से अधिक है निम्न स्तर को निर्धारित करने स्वीकृति का योगदान अन्य उपआयामों से अधिक है तथा अत्यधिक निम्न स्तर को निर्धारित करने वाले उपआयामों देखभाल, व्यवस्था व स्वतंत्रता का योगदान अन्य उपआयामों से अधिक है।

अतः छात्राओं के परिवारिक को पर्यावरण को सौहार्द्रपूर्ण बनाने के लिये देखभाल को बढ़ाने हेतु बच्चों के प्रति चिंता रखने एवं उनको समय प्रदान करने की आव"यकता है, परिवार की व्यवस्था बनाये रखने के लिये योजना बनाकर काम करने व कार्यों का व्यवस्थित ढंग से करने की आव"यकता है, स्वतंत्रता के बढावा देने के लिये छात्राओं का उनके कार्यों, निर्णयों, एवं चयन में स्वतंत्रता प्रदान करने व बाधा न बनने की आव"यकता है, स्वीकृति को बढाने हेतु छात्राओं के विचारों, इच्छाओं व निर्णयों को स्वीकार करना व उनके व्यवहार पर आपत्ति करने की आव"यकता है, अभिव्यंजकता को बढ़ाने हेतु छात्राओं के साथ पारिवार के सदस्यों का सभी प्रकार की बातें एक दूसरें से खुलकर करना की आव"यकता है, तथा उपलब्धि अभिविन्यास हेतु छात्राओं के पारिवारों में असफलता/सफलता के कारणों को जानने का प्रयास, नयी जानकारी के लिए हमे"ाा तैयार रहना, सफलता प्राप्त करने का यथासंभव प्रयास करने आव"यकता है।

lUnHkZ lwph %&

Barber, B. K. (1996). Parental psychological control: revisiting a neglected construct. Child Development, 67: 3296–3319.

Halberstadt, A. G. & Eaton, K. L. (2002). A meta-analysis of family expressiveness andchildren's emotion expressiveness and understanding. Marriage & Family Review, 34 (1-2): 35-62

Dwairy, M. (2004). Parenting styles and mental health of Arab gifted adolescents. Gifted Child Quarterly, 48*: 275-286.*

Burt, S.A., McGue, M., William G. Iacono, W. G. & Krueger, R. F. (2006). Differential parent–child relationships and adolescent externalizing symptoms: cross-lagged analyses within a monozygotic twin differences design. Developmental Psychology, 42: 1289–1298.

Clark, T.R. & Phares, V. (2004). Feelings in the Family: interparental Conflict, Anger,and Expressiveness in Families With Older Adolescents. The Family Journal:Counseling and Therapy for Couples and Families, 12: 129–138.

Shelton, K. H. & Harold, G. (2008). Pathways between interparental conflict and adolescent psychological adjustment. Journal of Early adolescence, 28: 555–582.

Borah, Santosh (2013). Family environment and Academic achievement of adolescent students of Jorhat District, Assam. Indian Journal of Education, Research, Experimentation and Innovation, 3(3).

सिंह, लाल एवं मंगल, अ”ु. (2016). उत्तराखण्ड ि”ाक्षक पात्रता परीक्षा - सामाजिक अध्ययन (उच्च प्राथमिक स्तर). आगरा : उपकार प्रका”ान.

सिन्हा, वसुंधा (2014). परिवार के वातावरण का बच्चों के व्यवहार एवं उपलब्धियों पर प्रभाव (जनपद के बिजनौर के स्कूली बच्चों का अध्ययन) पी.एच.डी. गृहविज्ञान. एम.जे.पी.आर.वि”वविद्यालय बरेली.

सुलेखा (2011). उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य का उनके अधिगम पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन- एम0 फिल0. बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी.